DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

THE TIMES OF INDIA, NEW DELHI
TUESDAY, AUGUST 12, 2025

NAME OF NEWSPAPERS

Maa Yamuna Prathima Unveiled On Floodplain

The 10ft-High Statue Stands On 7ft Pedestal

TIMES NEWS NETWORK

New Delhi: Following extensive restoration work along the Yamuna floodplain, lieutenant governor V K Saxena on Monday unveiled Maa Yamuna Prathima, a 10-foot-high statue standing on a 7-foot pedestal, at Nigambodh Ghat.

Crafted from a composite of granite and graphite powders bound with resin, the statue weighs 150 kg. The site is accessible through the DDA parking lot and connected to Vasudev Ghat through a dedicated cycle track and pedestrian walkway. It has several kiosks for visitors as well.

"The installation marks a significant milestone in the ongoing rejuvenation of the Yamuna floodplains, being undertaken comprehensively and meticulously by DDA under LG's supervision and guidance. The idol offers visitors a space that strengthens the bond between nature, divinity and the community," DDA said, adding that LG had selected the site for the idol's installation during one of the many visits to the Yamuna floodplains.

"The Yamuna is more than a river; it is a part of our living heritage that has shaped our culture and beliefs. This idol honours that very sacred connection between humans and nature, and reminds us to protect the river's sanctity for future generations," said Saxena.

The site was earlier heavily encroached upon and filled with garbage. A sustained drive to remove squatters was undertaken and the place was cleaned comprehensively. DDA also carried out detailed landscaping of the site to improve aesthetics.

The idol faces the direction of the origin of the Yamuna, flowing a few steps away, and

Piyal Bhattacharjee

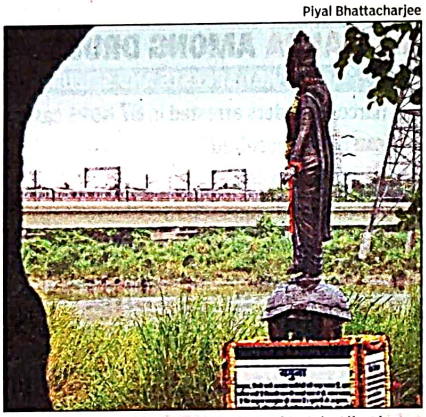

The statue has been installed at Nigambodh Ghat

was crafted by skilled artisans in Delhi over three months. The surrounding area has been landscaped with riverine grasses, seasonal flowers and native plant species, such as Kadamba, Ashoka, Pennisetum, palash and canna, preserving the natural character of the floodplain while creating a vibrant and tranquil environment. Ample parking has been provided, and two kiosks will be set up to offer refreshments to visitors.

Last year, DDA organised the first ever Dilli Deepotsav 2024 at Vasudev Ghat, which saw widespread participation, with over 3.5 lakh earthen lamps illuminating the riverbank alongside a grand Yamuna aarti, apart from drone and laser shows.

LG has also been supervising projects for the creation of biodiversity zones like Asita, Baansera and Amrit Biodiversity Park, spread over more than 1,000 acres of land.

Hindustan Times
NEW DELHI
TUESDAY
AUGUST 12, 2025

SAXENA UNVEILS 'MAA YAMUNA' STATUE ON YAMUNA BANKS

Sanjeev K Jha
htreporters@hindustantimes.com

NEW DELHI: Lieutenant governor (LG) VK Saxena on Monday unveiled the "Maa Yamuna Pratima" (Yamuna idol) at the Delhi Development Authority (DDA) parking area near Nigambodh Ghat in north Delhi's Kashmere Gate.

Standing 10 feet high atop a 7-foot pedestal, the statue portrays the idol seated on a tortoise, holding a water pot. Facing the Yamuna river, the idol weighs 150kg and was built in three months with a composite of granite and graphite powders bound with resin.

The installation is part of the Yamuna floodplains rejuvenation plan by the DDA. Saxena said, "Yamuna is more than a river. It is part of our living heritage that has shaped our culture and beliefs."

He stressed the idol's role in bringing people closer to the river, making them stakeholders in its revival, and reaffirmed that conservation of the Yamuna and its floodplains remained a priority for both the Centre and Delhi government, in line with Prime Minister Narendra Modi's vision.

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

NAME OF NEWSPAPERS---------- नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । मंगलवार, 12 अगस्त 2025 । ----------

सात फुट ऊंचे चबूतरे पर 10 फुट ऊंची मां यमुना की प्रतिमा लगाई गई

LG ने निगमबोध घाट के पास किया मां यमुना की प्रतिमा का अनावरण

2 मिनट में पढ़ें NBT

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

LG वीके सक्सेना ने सोमवार को निगमबोध घाट के पास DDA पार्किंग मे पहली बार यमुना नदी की सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक विरासत का सम्मान करने वाली एक भव्य मां यमुना प्रतिमा का अनावरण किया। यह प्रतिमा यमुना बाढ़ क्षेत्र मे किए जा रहे कायाकल्प कार्य का हिस्सा है। इस पूरे कार्य को LG की निगरानी और मार्गदर्शन में DDA कर रहा है। LG ने प्रतिमा के स्थापना के लिए उचित स्थल का चयन करने के लिए यमुना बाढ़ क्षेत्र के कई बार दौरे किए। निगमबोध घाट के निकट स्थित पार्किंग स्थल से पहुंचने मे सुलभ होने के कारण यह निगमबोध घाट आने वालों को आकर्षित करेगा।

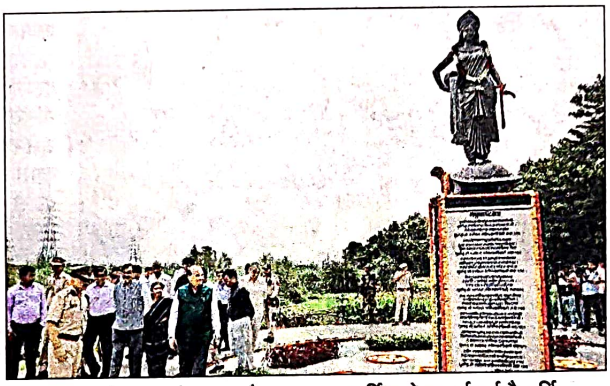

निगमबोध घाट के पास मौजूद DDA पार्किंग मे लगाई गई है मूर्ति

इस मौके पर वीके सक्सेना ने कहा कि यमुना एक नदी से कही अधिक है। यह हमारी जीवंत विरासत का एक हिस्सा है। यमुना ने हमारी संस्कृति और मान्यताओं को आकार दिया है। यह प्रतिमा हमें आने वाली पीढ़ियों के लिए नदी की पवित्रता की रक्षा करने की याद दिलाती है। उन्होंने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी द्वारा परिकल्पित यमुना नदी और उसके बाढ़ क्षेत्र का संरक्षण कार्य केंद्र और राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने बाढ़ क्षेत्र को इतने विस्तृत रूप मे बहाल करने में DDA के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि यह प्रतिमा नदी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत को दर्शाने के अलावा नदी के किनारे रहने वालों के लिए मनोरंजनात्मक अवसर भी प्रदान करेगी। इसका मुख्य उद्देश्य लोगों को नदी के करीब लाना और उन्हें यमुना के पुनरुद्धार में भागीदार बनाना है।

7 फुट ऊंचे चबूतरे पर 10 फुट ऊंची यह प्रतिमा मां यमुना को शांत भाव से चित्रित करती है। यह स्थिरता, सहनशीलता और पृथ्वी के प्रतीक कछुए पर आरूढ़ है और एक जल कलश धारण किए हुए है। प्रतिमा का मुख यमुना के उद्गम की ओर है, जबकि कछुए का मुख नदी की ओर है, जो बमुश्किल कुछ ही कदम की दूरी पर बह रही है। कारीगरों ने इसे तीन महीनों मे तैयार किया है। 150 किग्रा की यह प्रतिमा ग्रेनाइट और ग्रेफाइट पाउडर के मिश्रण से रेजिन बाइंडर के साथ बनाई गई है।

तालकटोरा चौराहे पर 27 मीटर ऊंचा क्लॉक टावर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

एलजी विनय कुमार सक्सेना ने सोमवार को शंकर रोड और तालकटोरा चौराहे पर 27 मीटर ऊंचे क्लॉक टावर का शिलान्यास किया। इस दौरान दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता, नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज, दिल्ली सरकार मे मंत्री प्रवेश साहिब सिंह, एनडीएमसी अध्यक्ष केशव चंद्र, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल मौजूद रहे।

एलजी ने शंकर रोड, तालकटोरा चौराहे पर किया शिलान्यास

इस मौके पर एलजी ने कहा कि एनडीएमसी द्वारा विकसित किए जा रहे क्लॉक टावर एनडीएमसी एरिया मे पुनर्विकास का एक नया चैप्टर लिखेगा। क्लॉक टावर के आठों किनारे 1.2 मीटर के

प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत ₹1.80 करोड़ है

बनाए जाएंगे। इसे सीमेंट कंक्रीट और मिट्टी की ईंटों से बनाया जाएगा। प्रोजेक्ट की अनुमानित लागत 1.80 करोड़ है और इसे छह महीने मे पूरा करने का डेडलाइन तय किया गया है। एलजी ने कहा कि क्लॉक टावर का डिजाइन हिंदू, मुगल और औपनिवेशिक वास्तुकला का संगम है। उन्होंने कहा कि एक ऐसा ही क्लॉक टावर सद्भावना पार्क, रिंग रोड, लाल किले के पीछे बनाया जा रहा है। इन तीनों स्थानों पर क्लॉक टावर डीडीए डिवेलप करेगा। तीनों जगहों पर क्लॉक टावर इस महीने के अंत तक कंप्लिट हो जाएंगे।

सीएम ने कहा कि क्लॉक टावर दिल्ली की प्रगति की एक गौरवपूर्ण आधारशिला के रूप में खड़ा होगा। यह न केवल नई दिल्ली, बल्कि पूरे दिल्ली के विकास को भी प्रतिबिंबित करेगा। घड़ी की कंक्रीट स्ट्रक्चर ऐसा बना जा रहा है कि हवा और भूकंप के झटको को भी आसानी से सह सकता है। इसके बाहरी हिस्से मे वायर कट ईंटो की परते होंगी, जिसके जॉइंट को सुंदरता से तराशा जाएगा।

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY
LIBRARY
PRESS CLIPPING SERVICE

दैनिक जागरण 9
NAME OF NEWSPAPERS---------- नई दिल्ली, 12 अगस्त, 2025 ----------DATED----------

फिर नई दिल्ली की पहचान बनेगा घंटाघर

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली: शिवाजी स्टेडियम और पालिका केंद्र में घंटा घरों के टूटने के बाद एक बार फिर दिल्ली नई दिल्ली में तालकटोरा स्टेडियम गोलचक्कर पर बनने जा रहा घंटाघर नई दिल्ली की पहचान बनेगा। एनडीएमसी द्वारा निर्मित किए जाने वाले 27 मीटर ऊंचे घंटाघर का शिलान्यास सीएम रेखा गुप्ता और उपराज्यपाल वीके सक्सेना के साथ ही एनडीएमसी उपाध्यक्ष कुलजीत चहल ने किया। 1.80 करोड़ की लागत से बनने वाला यह घंटाघर छह माह में बनकर तैयार हो जाएगा। इस घंटा घर के बन जाने के एक बार फिर नई दिल्ली को अलग पहचान मिलेगी। अब भी दिल्ली में प्रमुख तौर पर हरि नगर घंटाघर, सब्जी मंडी घटाघर, कमला मार्केट घंटाघर जैसे स्थान पहले से ही प्रसिद्ध हैं। यह इन इलाकों की पहचान बन चुके हैं।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने कहा कि यह घंटाघर एक नया मील का पत्थर बनने के लिए डिजाइन किया गया है। इस घंटाघर का निर्माण सीमेंट कंक्रीट और मिट्टी की ईंटों से किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसका डिजाइन हिंदू, मुगल और औपनिवेशिक वास्तुकला का एक अद्भुत मिश्रण है। उन्होंने आगे कहा कि "एनडीएमसी द्वारा नए घंटाघर का निर्माण राष्ट्रीय राजधानी के शहरी पुनर्विकास में एक नया अध्याय लिखेगा। एलजी ने कहा कि यह भव्य घंटाघर महत्वपूर्ण चौराहे पर स्थित है, जो कि एनडीएमसी क्षेत्र का प्रवेश द्वार है। जो यहां पर बड़ी संख्या में आने जाने वाले लोगों को आकर्षित करेगा। उपराज्यपाल ने यह भी बताया कि लाल किले के पीछे रिंग रोड पर सद्भावना पार्क में एक और घंटाघर का निर्माण किया जा रहा है। घंटाघर का विकास डीडीए द्वारा किया जा रहा है।

तालकटोरा गोल चक्कर के पास क्लाक टावर का शिलान्यास कर माडल देखते (बाएं से दाएं) एलजी वीके सक्सेना, मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, सांसद बांसुरी स्वराज व अन्य लोग ● जागरण

1.80 करोड़ रुपये की लागत से छह महीने के अंदर बनकर तैयार हो जाएगा घंटाघर

घंटाघर की विशेषताएं

- यह घंटाघर भूकंपरोधी होगी
- इसके चारों तरफ टाइल और स्टील की रेलिंग भी लगी होगी।
- हर मौसम का सामना करने में सक्षम घड़ियां लगाई जाएंगी।

डीडीए ने मांगे खेल परिसरों में कोचिंग को नए प्रस्ताव

राज्य, जागरण ● नई दिल्ली: डीडीए के करीब सभी खेल परिसरों में लोगों को विभिन्न खेलों की कोचिंग मिलती रहेगी। इसके लिए डीडीए ने नए प्रस्ताव मांगे हैं। कोचिंग एजेंसियां अपने प्रस्ताव 18 अगस्त शाम चार बजे तक डीडीए सीरीफोर्ट स्पोर्ट्स कांप्लेक्स के सचिव के नाम पर भेज सकती हैं। डीडीए की यह कोचिंग पूर्णतया रेवेन्यू शेयरिंग आधार पर होगी। डीडीए पूरी दिल्ली में 18 खेल परिसर चला रहा है। डीडीए से प्रपोजल दस्तावेज के अनुसार आउटडोर कोचिंग के लिए कोचिंग चार्ज शेयर 60:40 और इंडोर सुविधाओं के लिए यह कोचिंग चार्ज शेयर 50:50 होगाएक कोच या कोच एजेंसी को अधिकतम दो खेल परिसरों में ही कोचिंग का काम दिया जा सकेगा। इन खेल परिसरों सबसे अधिक भीड़ सुबह 6 से 8 और शाम को छह से आठ बजे तक होती है। ऐसे में इस समय का इस्तेमाल कोचिंग के लिए नहीं होगा।